## पद १२६

(राग: यमन जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

ऋषींच्या सभे मूर्ति शोभे बरी। तया मी सखे शोभतें नवरी।।ध्रु.।। मुनिवामभागीं असे लहानसा। सखे मी वरीन सव्यचा थोरसा।।१।। कधीं घडविशी योग पुरुषोत्तमा। म्हणोनि सखे पूजिते मी उमा।।२।। म्हणें माणिक पाहुनि विधिपिता। तया लुब्धली आदिमाया सीता।।३।।